This question paper contains 4+2 printed pages]

HPAS (M)—2015

ECONOMICS

Paper II

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 150

Note :— Attempt *Five* questions in all. Question No. 1 is compulsory. *All* questions carry equal marks.

कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Explain the reasons for fluctuations in economic growth rate in India since 2008. What opportunities and challenges do you see before Indian economy in achieving double digit growth in coming years ?

सन् 2008 से भारत की आर्थिक संवृद्धि दर में उतार-चढ़ाव के कारणों की व्याख्या कीजिए। आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था के दोहरे अंक की वृद्धि के लिए आप कौनसे अवसर एवं चुनौतियाँ देखते हैं ?

P.T.O.

2. What is Jan Dhan Yojna programme implemented by the Government of India ? What are the benefits of this programme ? Do you think that this programme can really turn the fortune of the masses in their favour ? Give reasons in support of your answer.

भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित जन धन योजना कार्यक्रम क्या है ? इस कार्यक्रम के क्या फायदे हैं ? क्या आप समझते हैं कि यह कार्यक्रम जनता का भाग्य उनके पक्ष में बदल सकता है ? अपने जवाब के समर्थन में कारण दीजिए।

3. What are causes of low productivity of Indian agriculture ? What measures has government taken to improve the productivity of Indian agriculture ? What policy measures do you suggest to improve the productivity of this sector ?

भारतीय कृषि की कम उत्पादकता के क्या कारण हैं ? सरकार ने भारत में कृषि की उत्पादकता सुधार हेतु कौनसे उपाय किए हैं ? आप इस क्षेत्र की उत्पादकता में सुधार के लिए कौनसे नीतिगत उपायों को सुझाते हैं ?

4. "Performance of Indian industrial sector runs on the twin engines of agriculture performance and government support." Do you agree ? Explain the significance of new policies of Government of India since 2014 in this regard.

"भारत का औद्योगिक क्षेत्र, कृषि क्षेत्र के प्रदर्शन एवं सरकारी समर्थन के जुड़वां इंजन पर चलता है।" क्या आप सहमत हैं ? इस संबंध में भारत सरकार की सन् 2014 से नई नीतियों के महत्व की व्याख्या कीजिए।

5. State in detail the performance of financial sector in India since 1991. Do you think that the reforms implemented so far for this sector are not sufficient in order to match with the other developing economies ? Explain with reasons.

सन् 1991 से भारत के वित्तीय क्षेत्र के प्रदर्शन को विस्तार से उजागर कीजिए। क्या आप समझते हैं कि अब तक इस क्षेत्र में लागू किए गए सुधार अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में पर्याप्त नहीं हैं ? तर्क सहित व्याख्या कीजिए।

6. What are significances of the recommendations of 14th Finance Commission of India ? Do you agree that these recommendations will help the poor states in catching up with the relatively better performing states ? Give reasons for your answer.

भारत के 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों के क्या महत्व हैं ? क्या आप सहमत हैं कि इन सिफारिशों से गरीब राज्यों को अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों के साथ कदम ताल (catching up) करने में मदद मिलेगी ? अपने उत्तर के पक्ष में कारण दीजिए।

7. Explain the growth, pattern and direction of foreign trade of India since 1991. Do you see any significance of recent initiatives by Government of India such as 'Make in India', 'Stand up India' etc. for foreign trade of this country ? Give reasons in support of your answer.

सन् 1991 से भारत के विदेशी व्यापार की वृद्धि, प्रवृत्ति (pattern) एवं दिशा की व्याख्या कीजिए। भारत सरकार द्वारा हाल में की गई पहलों जैसे कि 'मेक इन इंडिया', 'स्टैंड अप इंडिया' आदि देश के विदेशी व्यापार के लिए क्या आप कोई महत्व देखते हैं ? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए।

8. Write short notes on any *two* of the following :

(*i*) Performance of Public Sector in India.

(*ii*) Poverty in Himachal Pradesh.

(*iii*) Privatization.

(*iv*) Current Account Deficit of India.

निम्न में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

(*i*) भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का प्रदर्शन

(*ii*) हिमाचल प्रदेश में गरीबी

(*iii*) निजीकरण

(*iv*) भारत का चालू खाता घाटा।